BA-(H)
मैथिली प्रतिष्ठा
परिचायिका/
Lecture-1

प्रो० संजीत कुमार राम
(अतिथि सहायक व्याख्याता) का/
मैथिली विभाग
R.S.J. college, Rajnagar
Madhubani (Bihar)

(रमानाथ झाक व्यक्तित्व)

मैथिलीके शास्त्रीय आलोचनाक दिशा-निर्देश करयनिहार, भाषाकें व्याकरणिक अनुशासनमे बन्हनिहार, विशिष्ट साहित्यकार लोकनिसँ उत्कृष्ट रचना लिखौनिहार, साहित्यक समालोचक दिशामे सतत चिन्तनशील रहनिहार तथा ताहि दिशा निरन्तर सक्रियता देखौनिहार, पंजीक विशेषज्ञ तथा अनुसंधान कार्य मे आजीवनरत रहनिहार रमानाथ झा आधुनिक मैथिली भाषा-साहित्यक महान व्यक्तित्व छलाह। कमलाह अध्ययन कयलनि ई अंगरेजीक, मौलिक संस्कारक कारणें मननचिंतन कयलनि संस्कृत शास्त्रक तथा सेवानिधानक सन्तति छलाह मैथिली सम्पादक, अनुवादक तथा वक्ता सेहो ई उच्च कोटिक छलाह। साहित्य अकादेमी दिल्लीमे मैथिलीक प्रवेश भेलापर आरंभ रहि भाषाक सहित प्रतिनिधि रहि भेलाह। अपितु कहल जाइछ जे ई व्यक्ति नहि, अपनामे एक संस्था छलाह।

हिनक जन्म धनमंगाक जिला दरभंगामे सन् 1906

गाममे 2 सितम्बर 1906 ई०के जन्मल। 1930 ई० मे पटना विश्वविद्यालयसँ अंग्रेजी विषयमे एम० ए० पास कयलनि। 1933 ई० मे कानूनक परीक्षामे सेहो उत्तीर्ण भेलाह। ई 1930 सँ 36 क मध्यधरि मधेपुर उच्च विद्यालयक हेडमास्टर पद पर कार्य कयलनि। दरभंगा राज लाइब्रेरीक 1936 ई० मे पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर नियुक्त भेलाह। ओहि पदपर रहैत ई प्रचुर अध्ययन कयलनि। 1958 सँ 62 धरि चन्द्रधारी मिथिला कॉलेजमे अंग्रेजीक प्राध्यापक पद पर रहलाह तथा 62 मे तत्कालीन बिहार विश्वविद्यालयमे मैथिलीमे स्नातकोत्तर अध्ययन आरम्भ भेलापर ई मैथिलीमे विभाग रीडर आ अध्यक्ष [illegible] भेलाह। 1965 मे दिल्लीक साहित्य अकादेमीक मैथिलीक प्रतिनिधि आ ओकर कार्यकारिणीक सदस्य निर्वाचित भेलाह, जाहि पद पर ओ दिसम्बर 1969 ई० धरि, जखन ई दिवंगत भेलाह, आसीन रहलाह।

हिनक रचनाक्षेत्र बहुत व्यापक अछि। विभिन्न विधामे लिखित, अनूदित, संकलित सम्पादित हिनक अनेक पोथी प्रकाशित अछि। अपन समयक लगभग समस्त प्रमुख पत्र-पत्रिकामे हिनक निबन्ध आ आलोचना छपैत रहल।

Sanjeet Kumar

क्रमशः